दैनिक भास्कर

बीकानेर 29-05-2025

बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति तथा आगामी एक्शन प्लान पर वैज्ञानिकों - किसानों ने किया संवाद

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान केंद्रों सहित किसानों की सहभागिता से किए जा रहे बीज उत्पादन की समीक्षा बैठक बुधवार को एनएसपी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति , आगामी एक्शन प्लान तथा इस संबंध में आ रही विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.अरुण कुमार ने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन से किसानों का विश्विद्यालय के प्रति भरोसा और मजबूत होगा। इसे ध्यान में रखते हुए सभी केवीके तथा एआरएस गंभीरता से काम करें। किसानों के लिए प्री सीजनल खरीफ एडवाइजरी जारी की जाए। मुख्य वक्ता चंद्र शेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के सीपी सचान ने कहा कि प्रगतिशील किसान विश्वविद्यालय के स्टॉक होल्डर हैं। कृषि के लिए उत्तम बीज, मृदा स्वास्थ्य और सिंचाई प्रबंधन प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। मात्र 45% किसानों को ही वर्तमान में उत्तम बीज मिल पा रहा है। उत्तम बीज से फसल उत्पादन 25% तक अधिक होता है ऐसे में केवीके और अनुसंधान विंग पैशन के साथ काम करें। जलवायुवीय परिस्थितियों को चुनौतियों के रूप में लें। किसानों को वैकल्पिक फसल की तरफ लेकर जाएं। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि गुणवत्ता युक्त बीज किसान के अच्छे भविष्य की बुनियाद है। अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि सीड प्रोडक्शन में गुणवत्ता के साथ मात्रात्मक बढ़ोतरी की भी आवश्यकता है। उन्होंने किसानों को प्रमाणित बीज का प्रयोग कर खेती करने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर उत्पादित बीज का उठाव सुनिश्चित हों इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं।

आपको यह कॉलम कैसा लगा, पाठक अपनी प्रतिक्रिया drgauravbissaji@gmail.com पर भेज सकते हैं

एसकेआरएयू -बीज उत्पादन समीक्षा बैठक आयोजित

बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति, एक्शन प्लान पर वैज्ञानिकों -किसानों ने किया संवाद

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान केंद्रों सहित किसानों की सहभागिता से किए जा रहे बीज उत्पादन की समीक्षा बैठक बुधवार को एनएसपी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति, आगामी एक्शन प्लान तथा इस संबंध में आ रही विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन से किसानों का विश्विद्यालय के प्रति भरोसा और मजबूत होगा। इसे ध्यान में रखते हुए सभी केवीके तथा एआरएस गंभीरता से काम करें। किसानों के लिए प्री सीजनल खरीफ एडवाइजरी जारी की जाए। चंद्र शेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के सी पी सचान ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि कृषि के लिए उत्तम बीज, मृदा स्वास्थ्य और सिंचाई प्रबंधन प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। मात्र 45 प्रतिशत किसानों को ही वर्तमान में उत्तम बीज मिल पा रहा है। उत्तम बीज से फसल उत्पादन 25 प्रतिशत तक अधिक होता है ऐसे में केवीके और अनुसंधान विंग पैशन के साथ काम करें। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कैलाश चौधरी ने कहा कि जिले में ग्वार और मोठ उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं। चौधरी ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान किसानों से संवाद कर तकनीक के साथ-साथ इन चुनौतियों के समाधान से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। इस दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने किसानों को प्रमाणित बीज का प्रयोग कर खेती करने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर उत्पादित बीज का उठाव सुनिश्चित हो इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ नीना सरीन ने कहा कि किसानों तक तकनीक और अच्छा बीज पहुंचने में केवीके की भूमिका महत्वपूर्ण है। इससे पहले राष्ट्रीय बीज परियोजना के प्रभारी ए के शर्मा ने विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के बीज उत्पादन और लक्ष्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गुणवत्तायुक्त सीड प्रोडक्शन विश्वविद्यालय की प्राथमिकता, उचित दर पर समय से किसानों को मिले बीज- डॉ अरुण कुमार

किसानों को समय तथा निर्धारित दर पर बीज मिले यह सुनिश्चित करें : अरूण कुमार

- बीज उत्पादन समीक्षा बैठक आयोजित
- किसानों ने बीज उत्पादन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से वैज्ञानिकों को अवगत कराया
- विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के बीज उत्पादन और लक्ष्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की

कर दी है।

जलते दीप

बीकानेर संभाग

180 ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे शिविर

विकसित कृषि संकल्प अभियान आज से 12 जून तक

बीकानेर, मैसा। किसानों को खेती की उन्नत तकनीक, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देने तथा प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। केंद्र सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय की पहल पर आयोजित होने वाले इस अभियान के तहत जिले की 180 ग्राम पंचायतों में कृषि अधिकारी, केवीके तथा भारतीय कृषि अनुसंधान से जुड़े विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक किसानों से संवाद कर विभिन्न जानकारियां साझा करेंगे। केंद्र सरकार के विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सघन गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ नीना सरीन ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में भारतीय कृषि अनुसंधान की विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिक, एसकेआरएयू से संबद्ध कृषि विज्ञान केन्द्रों के अधिकारी और वैज्ञानिक तथा कृषि-उद्यान विभाग अधिकारी एक टीम के रूप में ग्राम पंचायत पहुंचेंगे तथा नवीनतम कृषि तकनीक अनुसंधान प्रौद्योगिकी की जानकारी साझा करेंगे। संयुक्त निदेशक कृषि

विस्तार कैलाश चौधरी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य जलवायुजनित चुनौतियों और स्थानीय परिस्थितियों के तहत किसानों को आधुनिकतम तकनीकों की जानकारी देते हुए अधिकतम लाभ कमाने के लिए तैयार करना है। इस अभियान का उद्देश्य आगामी खरीफ फसलों की पैदावार को बढ़ाने के साथ किसानों को इन फसलों में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं से निपटने के लिए तैयार करना है। इस दौरान स्थानीय प्रगतिशील नवाचारी किसानों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे। खेतों की मिट्टी के नमूने लिए जाएंगे तथा इन्हें मोबाइल द्वारा किसानों को उनकी मिट्टी की स्थिति से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में कई भारत सरकार के कृषि अनुसंधान संस्थान कार्यरत हैं। इस अभियान के दौरान आवश्यक समस्या वाले इन क्षेत्रों का कार्य करते हुए यह प्रयास किया जाएगा कि इन संस्थानों में हो रहे अनुसंधान का पूरा लाभ क्षेत्र के किसानों को मिले।

मूंगफली अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक ने बताया कि मूंगफली उत्पादन में बीकानेर अग्रणी है। यहां किसानों को काली जड़ जैसे रोगों की समस्याओं के इलाज की जानकारी दी जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ मदन लाल रेगर ने बताया कि इस पूरे अभियान की सफलता के लिए विभिन्न संस्थानों के समन्वय से चार टीमें बनाई गई हैं। सभी चार टीमें एक दिन में कुल 12 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर किसानों के साथ संवाद करेंगी। इन टीमों में केवीके के दो वैज्ञानिक, कृषि-उद्यानिकी विभाग से एक सदस्य, कृषक सहभागी संस्थान से एक सदस्य, काजरी तथा उष्ट्र अनुसंधान केंद्र से एक सदस्य शामिल होगा। कार्यक्रम के समन्वयक जिला स्तर पर संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार जिला परिषद बीकानेर को बनाया गया है। इस दौरान कृषि विभाग उद्यानिकी से सहायक निदेशक मुकेश गहलोत, डॉ केशव मेहरा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गुणवत्तायुक्त बीज से किसानों का विवि पर भरोसा मजबूत होगा

बीज उत्पादन समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को बीज उत्पादन की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन से किसानों का विश्वविद्यालय पर विश्वास और गहरा होगा। उन्होंने सभी केंद्रों को गंभीरता से कार्य करने और खरीफ सीजन के लिए एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को विभागों के साथ समन्वय कर तकनीकी मार्गदर्शन देना चाहिए।

सीपी सचान (चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय) ने कहा कि प्रगतिशील किसान विश्वविद्यालय के स्टॉक होल्डर हैं। मात्र 45% किसानों को ही उत्तम बीज मिल रहा है, जबकि इससे 25% तक उत्पादन बढ़ सकता है।

उन्होंने केवीके और अनुसंधान इकाइयों से पैशन के साथ कार्य करने का आह्वान किया। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने बीज गुणवत्ता को किसान के भविष्य की नींव बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि अब मात्रात्मक और गुणात्मक वृद्धि दोनों जरूरी हैं। संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बीकानेर में ग्वार व मोठ उत्पादन की संभावनाओं पर जोर दिया, जबकि डॉ. नीना सरीन ने तकनीक के अंतिम छोर तक पहुंच की जरूरत बताई।

एसकेआरएयू -बीज उत्पादन समीक्षा बैठक आयोजित

बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति, एक्शन प्लान पर वैज्ञानिकों -किसानों ने किया संवाद

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान केंद्रों सहित किसानों की सहभागिता से किए जा रहे बीज उत्पादन की समीक्षा बैठक बुधवार को एनएसपी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में बीज उत्पादन के लक्ष्य, प्रगति, आगामी एक्शन प्लान तथा इस संबंध में आ रही विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन से किसानों का विश्विद्यालय के प्रति भरोसा और मजबूत होगा। इसे ध्यान में रखते हुए सभी केवीके तथा एआरएस गंभीरता से काम करें। किसानों के लिए प्री सीजनल खरीफ एडवाइजरी जारी की जाए। चंद्र शेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के सी पी सचान ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि कृषि के लिए उत्तम बीज, मृदा स्वास्थ्य और सिंचाई प्रबंधन प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। मात्र 45 प्रतिशत किसानों को ही वर्तमान में उत्तम बीज मिल पा रहा है। उत्तम बीज से फसल उत्पादन 25 प्रतिशत तक अधिक होता है ऐसे में केवीके और अनुसंधान विंग पैशन के साथ काम करें। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कैलाश चौधरी ने कहा कि जिले में ग्वार और मोठ उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं। चौधरी ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान किसानों से संवाद कर तकनीक के साथ-साथ इन चुनौतियों के समाधान से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी। इस दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने किसानों को प्रमाणित बीज का प्रयोग कर खेती करने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर उत्पादित बीज का उठाव सुनिश्चित हों इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ नीना सरीन ने कहा कि किसानों तक तकनीक और अच्छा बीज पहुंचने में केवीके की भूमिका महत्वपूर्ण है। इससे पहले राष्ट्रीय बीज परियोजना के प्रभारी ए के शर्मा ने विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के बीज उत्पादन और लक्ष्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गुणवत्तायुक्त सीड प्रोडक्शन विश्वविद्यालय की प्राथमिकता, उचित दर पर समय से किसानों को मिले बीज- डॉ अरुण कुमार